जयपुर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए : भजनलाल शर्मा

- 'भविष्य की आवश्यकता के अनुसार बने यातायात एवं परिवहन व्यवस्था के लिए कार्ययोजना'
- सुचारू व्यवस्था के लिए यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाने का निर्देश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को उनके आवास पर जयपुर शहर में सुगम यातायात प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अध्यक्ष, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, आनंद कुमार, महानिदेशक पुलिस हेमंत प्रियदर्शी, एडीजी यातायात अनिल पालीवाल के अतिरिक्त जेडीए, नगर निगम सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को परिवहन के सुगम साधन उपलब्ध करवाने तथा निर्बाध यातायात व्यवस्था के लिए राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसके लिए आवश्यक सुविधाओं और मानव संसाधन की किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि समय के साथ शहरों की बढ़ती जनसंख्या और विस्तार को ध्यान में रखते हुए यातायात एवं परिवहन व्यवस्था के लिए दूरगामी सोच के साथ कार्ययोजना बननी आवश्यक है। इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर जयपुर शहर में सुगम यातायात प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जयपुर प्रदेश की राजधानी और प्रमुख शहर होने के कारण यहां यातायात दबाव अन्य शहरों की तुलना में अधिक है। यहां की यातायात समस्या का स्थाई समाधान निकालने के लिए चरणबद्ध रूप से प्लानिंग बनाकर कार्य करना आवश्यक है।

शर्मा ने कहा कि जयपुर शहर की यातायात बाधित होने की समस्या के सटीक और स्थाई समाधान के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ हो। आमजन को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए त्वरित और सुगम परिवहन संसाधन उपलब्ध हो, जिससे वे निजी वाहनों की बजाए सार्वजनिक परिवहन से सफर करने को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिटी ट्रांसपोर्ट सिस्टम में नई सीएनजी एवं इलेक्ट्रिक बसों को जल्द से जल्द शामिल किया जाए, ताकि लोगों को सुचारू एवं प्रदुषण मुक्त परिवहन सेवा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाई जाए। तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में होमगार्ड तथा आरएसी बटालियन के जवानों को यातायात संचालन के लिए लगाया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख चौराहों और स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ायी जाकर यातायात नियमों को उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा ने कहा कि शहर के प्रमुख मॉल्स, अस्पतालों आदि के बाहर गलत ढंग से वाहनों की पार्किंग से यातायात व्यवस्था बाधित होती है। अतः लोगों को निर्धारित पार्किंग स्थल में ही वाहन खड़ा करने के लिए पाबंद किया जाए। शर्मा ने कहा कि जयपुर की चार प्रमुख सड़कों अजमेर रोड, आगरा रोड, टोंक रोड और सीकर रोड पर यातायात दबाव कम करने के लिए इस रूट पर संचालित होने वाली बसों के लिए उसी रूट पर अतिरिक्त सैटेलाइट बस स्टैंड बनाए जाए। इससे सिंधी कैंप स्थित मुख्य बस स्टैंड पर भी बसों की संख्या कम होगी। मुख्यमंत्री ने दिल्ली व आगरा जाने वाली बसों के लिए निर्धारित नारायण सिंह सर्किल बस स्टैंड को अन्यत्र जगह स्थानांतरित कर पीक आवर्स में बसें वहीं से संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परकोटा क्षेत्र में यातायात का दबाव कम करने के लिए आमजन को रामनिवास बाग स्थित पार्किंग में सस्ती दरों पर पार्किंग सुविधा उपलब्ध करवायी जाए तथा परकोटे में आवागमन के लिए मिनी बसें व इलेक्ट्रिक गाड़ियां संचालित किए जाए। शर्मा ने कहा कि जयपुर में अलग-अलग जोन निर्धारित कर ई-रिक्शा का संचालन किया जाए तथा हर एक जोन के लिए ई-रिक्शा का अलग रंग तय कर दिया जाए, ताकि हर रिक्शा एक क्षेत्र विशेष में चले। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के व्यापारिक संगठनों के साथ बैठक कर बाजारों को बंद रखने के लिए अलग-अलग दिन तय किए जाए तथा रात्रिकालीन बाजार के लिए भी अलग-अलग दिन निर्धारित हो। शर्मा ने सुझाव दिया कि सरकारी कार्यालयों में काम करने वाले तथा स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए विशेष बस व्यवस्था संचालित की जाए, जिससे उन्हें कार्यालय या अध्ययन स्थल तक आने-जाने के लिए आरामदायक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध हो सके।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अध्यक्ष, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, आनंद कुमार, महानिदेशक पुलिस हेमंत प्रियदर्शी, एडीजी यातायात अनिल पालीवाल के अतिरिक्त जेडीए, नगर निगम सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

असमर्थ लोगों के लिये अत्याधुनिक पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जो विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था है, के केन्द्र में आई.सी.आई.सी.आई बैंक फाउण्डेशन के सहयोग से इस अत्याधुनिक पुर्नवास केन्द्र का शुक्रवार को विधिवत उद्घाटन हुआ।

जयपुर। लकवाग्रस्त और विभिन्न अन्य कारणों से ऐसे लोग जो सहजता से अपने अंगों के संचालन करने में असमर्थ हैं, के पुर्नवास के लिए नई आशा बनी है। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस), जो विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था है, के केन्द्र में आई.सी.आई.सी.आई बैंक फाउण्डेशन के सहयोग से इस अत्याधुनिक पुर्नवास केन्द्र का शुक्रवार को विधिवत उद्घाटन हुआ।

मालवीय नगर स्थित बीएमवीएसएस के केन्द्र में संचालित इस पुर्नवास केन्द्र की स्थापना आईसीआईसीआई बैक द्वारा सामाजिक सरोकार दायित्व योजना के अन्तर्गत की गई है। इस कार्य के लिए आईसीआईसीआई द्वारा पाँच करोड़ रुपये की सहायता मशीन और अन्य उपकरण के लिए दी गई। बीएमवीएसएस के केन्द्र में विशेष रुप से स्थापित इस केन्द्र का आईसीआईसीआई बैंक, युनाईटेड किंगडम (यू.के.) के नॉन-एक्जिक्यूटिव निदेशक स्टीफन रासेनहज एन क्रैग, माईकल जेम्स, सेरोना मैरी जोसफ के अलावा आईसीआईसीआई बैंक यूको के चीफ फाईनेशियल आफिसर धर्मवीर सिंह और सौरभ सिंह, सलाहकार आईसीआईसीआई फाउण्डेशन तथा आईसीआईसीआई के क्षैत्रिय प्रमुख रामगोपाल की उपस्थिति में केन्द्र का उदघाटन दीप प्रज्जवलित करके किया गया।

उदघाटन समारोह में बीएमवीएसएस के संस्थापक और संरक्षक डी.आर.मेहता, कार्यकारी निदेशक सलाउददीन अहमद, सचिव भूपेन्द्र मेहता सचिव, (तकनीकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता, मुख्य तकनीकी परामर्शदाता डॉ. एम.के.माथुर, परामर्शदाता डॉ. पूजा मुकुल, डॉ. ए.बी.शर्मा और डॉ. पी.के.जैन भी उपस्थित थे। इस पूरी योजना में प्रमुखतः सहयोग देने वाले संजय गुप्ता भी उपस्थित थे।

मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता ने उदघाटन समारोह के पूर्व जयपुर फुट की निर्माण विधि के बारे में बताया और कहा कि अब तक देश-विदेश के 23 लाख लोगों को जयपुर फुट और अन्य उपकरणों से लाभान्वित किया जा चुका है।

बीएमवीएसएस के सचिव, तकनीकी डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने बताया कि यह पुर्नवास केन्द्र पूरे उत्तर भारत में अपनी तरह का अग्रणी केन्द्र है जिसमें लकवाग्रस्त लोगों के लिए लैक्सो मशीन और अन्य मशीनों और उपकरणा से इलाज कर उन्हें सामान्य जीवन व्यतीत करने की सुविधा है। ब्रेन-स्ट्रोक, स्पाईनल कार्ड और अन्य मोबिलिटी की बीमारियों से ग्रस्त मरीजों और उपकरणों से पुर्नवास किया जायेगा।

डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने बताया कि रोबोटिक गेट प्रशिक्षण के हर मरीजों का उपयोगितानुसार इलाज अब केन्द्र में सम्भव हो सकेगा। लैक्सो मशीन से मरीज धीरे-धीरे लाभान्वित होकर सहज भाव से अपने अंगों का संचालन कर सकेगें और आसानी से अंग संचालन कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि बीएमवीएसएस में पहले से ही फिजियोथेरेपी केन्द्र स्थापित है जो राज्य का श्रेष्ठ केन्द्र है।

शैक्षिक सम्मेलन से शिक्षकों को प्रेरणा मिले : दिया कुमारी

जयपुर/सीकर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर का राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 2025 सीकर जिले के बाबा खीवादास पीजी महाविद्यालय सांगलिया में आयोजित हुआ। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन में शामिल होकर सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में नये विचारों, योजना और नवाचारों को प्रोत्साहित करते है। उन्होंने कहा कि राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर द्वारा किये जा रहे इस आयोजन के माध्यम से शिक्षकों को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलने का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सकेगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि खींवादासजी महाराज ने हमेशा मानव एवं जीव सेवा को प्राथमिकता देते हुए समाज को जागरूक किया तथा शिक्षित एवं सशक्त समाज पर बल दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक संघ अंबेडकर शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करने का कार्य निरंतर कर रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर ने हमेशा शिक्षित समाज की कल्पना की थी तथा उनके आदर्श आज भी अनुकरणीय हैं। उन्होंने बताया कि संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के सम्मान में सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाए जाने की पहल की है।

आगामी बजट में जनजाति क्षेत्रों के विकास को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री

- 'अहम सुझावों का विश्लेषण कर बजट में शामिल किया जाएगा
- 'राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से आदिवासी समाज को मिल रही मदद'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजाति क्षेत्र का विकास देश और प्रदेश की समावेशी प्रगति का आधार है तथा आदिवासी कल्याण एवं सशक्तीकरण से ही प्रदेश का सर्वांगीण एवं समावेशी विकास सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय व एकात्मक मानववाद की अवधारणा को आत्मसात् करते हुए आदिवासी समाज के समग्र उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी दिशा में राज्य सरकार ने आदिवासी समाज के विकास के लिए अहम निर्णय लिए है, जिससे समाज को मूलभूत जरूरतों से लेकर उन्नति के अवसर तक हर कदम पर मदद मिल रही है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के हितधारकों के साथ आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के संबंध में आयोजित बजट पूर्व बैठक में चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी वर्गों एवं उनके लिए कार्य करने वाली संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए समावेशी बजट तैयार किया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनजाति क्षेत्र के विकास व उत्थान से संबंधित विषयों पर मिले सुझावों का उचित परीक्षण कर आगामी बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आगामी बजट में जनजाति क्षेत्रों के विकास को और गति दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विरासत को संजोये रखने के साथ ही विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे है। हमारी सरकार भी आदिवासी समाज की संस्कृति के संरक्षण और उनके गौरव को पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार द्वारा जनजाति के नायकों को पहचान दिलाने के लिए उदयपुर में कालीबाई भील, बांसवाड़ा में बांसिया चरपोटा और डूंगरपुर में डूंगर-बरंडा स्मारक बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजाति समुदाय के योगदान को सम्मानित करने के लिए आदि गौरव सम्मान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार परिवर्तित बजट 2024-25 में की गई बजट घोषणाओं को धरातल पर लागू कर रही है। बजट घोषणा की अनुपालना में 7 नए आश्रम छात्रावासों और 3 नए आवासीय विद्यालयों के लिए भूमि आवंटन और संचालन की स्वीकृति दी जा चुकी है। साथ ही, चार एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल में क्षमता वृद्धि एवं विस्तार का काम भी पूरा कर लिया गया है। इसी तरह मां-बाड़ी केंद्रों में कार्यरत रसोइयों और शिक्षकों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि की है और 250 नए मां-बाड़ी केंद्र स्वीकृत किए हैं। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजाति क्षेत्र को विकास की धारा से जोड़ने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्रों में पशुपालन, मत्स्यपालन आदि अन्य संभावनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

बैठक में जनजाति सुरक्षा मंच (सिरोही), वाग्धारा संस्थान (बांसवाड़ा), दूसरा दशक संस्थान (बारां), लक्ष्मीलाल डामोर (उदयपुर), वनवासी कल्याण आश्रम (उदयपुर), अरावली विचार मंच (उदयपुर) एवं बायफ संस्थान (उदयपुर) के प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रभुराम गरासिया (सिरोही), बद्रीनारायण (बारां), अर्चना सिंह चारण (उदयपुर), रसिक लाल पटेल (डूंगरपुर), नारायण मीणा, महिपाल (झुन्झुनूं) सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने जनजाति क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, जैविक खेती, पशुपालन, संस्कृति संरक्षण एवं पोषण के संबंध में सुझाव साझा किए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के अधिकारी, संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

बी.आई.एस. का "मानक कार्निवल" आज जयपुर में

जयपुर। भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस.) का 78वां स्थापना दिवस प्रेमनगर झोटवाड़ा स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय प्रांगण में 18 जनवरी को "मानक कार्निवल" का आयोजन करेगा। बी.आई.एस. की राजस्थान निदेशक कनिका कालिया ने बताया कि विद्यार्थियों को भारतीय मानकों और मानक चिन्हों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। बच्चे खेल-खेल में मानकीकरण की प्रक्रिया, उत्पाद की गुणवत्ता, आईएसआई मार्क, हॉलमार्क आदि के माध्यम से प्रमाणित उत्पादों की पहचान जान सकें, इसके लिये कार्मिवल में 20 से अधिक मनोरंजक गतिविधियां और गेम्स रखे गये हैं। कार्यक्रम में पीएमश्री विद्यालयों के करीब एक हजार से अधिक विद्यार्थियों के शामिल होने की उम्मीद है।

देवनानी कल पटना जायेंगे

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को पटना जाएंगे। देवनानी पटना में आयोजित 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह सम्मेलन बिहार विधानसभा, पटना में आयोजित होगा। इस दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए देवनानी रविवार को जयपुर से पटना जाएंगे।

देवनानी 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर संवैधानिक मूल्यों को सशक्त बनाये रखने में संसद एवं राज्य विधानमण्डलों के योगदान विषय पर विधानमण्डलों के प्रतिनिधिगण को सम्बोधित करेंगे। देवनानी पटना में सम्मेलन में भाग लेने के बाद नालंदा, बोधगया और गया भी जाएंगे। देवनानी बोधगया में महाबोधी मंदिर और गया में विष्णुपाद मंदिर में दर्शन, पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना करेंगे। देवनानी का बुधवार रात्रि को जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

राजस्थान की कला संस्कृति को नजदीकी से महसूस कराने के लिए एम.ओ.यू.

जयपुर। मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के संस्थापक महासचिव सीए विजय गर्ग ने बताया कि, देश-विदेश में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों को एवं उनकी युवा पीढ़ी को राजस्थान की कला एवं संस्कृति के साथ-साथ राजा महाराजाओं के जीवन के रॉयल हेरिटेज लुक को और अधिक नजदीक से महसूस कराने के लिए पैलेस ऑन व्हील, जो देश की सबसे लग्जरी ट्रेन के रूप में जानी जाती है, उसके बीच एवं मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के बीच आज एक समझौता हुआ, जिसके तहत पैलेस ऑन व्हील में प्रवासी राजस्थानीयो को पैलेस ऑन व्हील के माध्यम से राजस्थान का दौरा करने के लिए पैलेस ऑन व्हील के द्वारा विशेष छूट 40 फीसदी डिस्काउंट तक दिया जाएगा, देश-विदेश में रह रहे प्रवासी राजस्थानी की युवा पीढ़ी राजस्थान को और अधिक नजदीक से महसूस कर सके। आज पैलेस ऑन व्हील को संचालित करने वाली कंपनी के संस्थापक निदेशक भगत सिंह लोहागढ़ एवं मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के संस्थापक महासचिव के बीच एक एमओयू हुआ, एमओयू के तहत प्रवासी राजस्थानियों को पैलेस ऑन व्हील में विशेष छूट प्रदान की जाएगी यह एमओयू जयपुर रेलवे स्टेशन स्थित पेट लाइन जहां पैलेस ऑन व्हील की पार्किंग रहती है। वहां किया गया एवं इस कार्यक्रम के दौरान संस्था के पदाधिकारी एवं बाहर से आए हुए प्रवासी राजस्थानियों को पैलेस ऑन व्हील की विजिट कराई गई एवं उसके रॉयल लुक एवं विभिन्न केबिन और साइंस पैलेस ऑन व्हील की संपूर्ण ट्रैवल से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई।

निदेशालय की टीम ने किया 50 अग्रणी निकायों का दौरा

जयपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में रैंकिंग सुधारने के लिए अधिकारी आपसी समन्वय एवं सहयोग से हर संभव प्रयास सुनिश्चित करें। यह कहना है स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव का। उन्होंने यह बात स्वायत्त शासन भवन में शुक्रवार को आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

बैठक में जानकारी दी गई कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशों की अनुपालना में 6 से 13 जनवरी 2025 तक निदेशालय की टीम के द्वारा 50 अग्रणी निकायों का दौरा किया गया है। इस दौरान निकायों का स्वच्छ सर्वेक्षण की चेक लिस्ट के आधार पर सभी इंडिकेटर्स पर जाकर जांच की गई। बैठक में यादव ने अधिकारियों को जांच दल के सुझावों का त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया।

भारत का विचार आध्यात्म का विचार : प्रदीप जोशी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी और राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को प्रदीप गोपाल स्मृति न्यास सांगानेर, ए.यू बैंक एवं पूर्णिमा ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में सीतापुरा स्थित पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलॉजी में आयोजित "द ढूंढाड टॉक्स-2025" कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

जयपुर। "भारत देश का विचार आध्यात्म का विचार है, इसी आधारित हमारा जीवन है। आध्यात्म विचार से ही देश और समाज का विकास हुआ है, विभिन्न क्षेत्रों में ऊँचाइयां भी हासिल की है।" यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी ने कही। वे शुक्रवार को प्रदीप गोपाल स्मृति न्यास सांगानेर, ए.यू बैंक एवं पूर्णिमा ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में सीतापुरा स्थित पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलॉजी में आयोजित "द ढूंढाड टॉक्स-2025" कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बोल रहे थे।

उद्घाटन सत्र में 'स्व' की ओर भारत' विषयक पर बोलते हुए प्रदीप जोशी ने कहा कि देश के 'स्व' का भाव को समझने एवं अनुभव करने की आवश्यकता है। यह विचार ही हमारा मुख्य विषय है और यही हमको आगे तक ले जाने वाला है। 'स्व' विचार को लेकर भारत आगे बढगा तो उन्नति के शिखर पर जा सकता है। भारत में जो विचार विकसित हुआ है वह व्यक्तिमंगल से विश्वमंगल की कल्पना देने वाला विचार है। इसमें अपना भी हित है और दुनिया का भी हित है। इस प्रकार की दिशा लेकर हमारे समाज का प्रयत्न चला है। ऐसे विषयों पर हमारी पीढी निश्चित काम करेगी, करती रहेगी। वहीं राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि "राष्ट्र प्रथम" की सोच रखते हुए हमें "विकसित भारत" के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र है तो हम हैं, यही शाश्वत दृष्टि भारत को फिर से विश्वगुरु बनाएगी। बागडे ने कहा कि युवा पीढ़ी राष्ट्र हित को अपना परम कर्तव्य मानते हुए देश के विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र कोई भूमि का टुकड़ा नहीं बल्कि विचार है। सनातन भारत की दृष्टि उदात्त जीवन मूल्यों में हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने लिए ही नहीं सर्वस्व कल्याण की सोच रखता है, तभी सर्वांगीण विकास की ओर आगे बढ़ता है।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड ने स्टार लेबलिंग पर प्रशिक्षण दिया

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड की ओर से ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के सहयोग से स्टैंडर्ड एंड लेबलिंग योजना के अन्तर्गत रिटेलर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जयपुर। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड द्वारा ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के सहयोग से स्टैंडर्ड ऐंड लेबलिंग योजना के अन्तर्गत रिटेलर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्टार लेबलिंग और ऊर्जा दक्षता मानकों के बारे में उद्योगों और उपभोक्ताओं को जागरूक करना था। यह प्रशिक्षण होटल पार्क प्राइम, जयपुर में आयोजित किया गया और इस कार्यक्रम के माध्यम से द्वारा विभिन्न उद्योग भागीदारों और उपभोक्ताओं को एक मंच पर लाया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत, पहले तीन चरणों में उदयपुर, कोटा और जोधपुर में भी कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, और जयपुर में यह चौथे चरण के रूप में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डिजाइन टू ऑकूपेंसी ने नॉलेज पार्टनर के रूप में भूमिका निभाई, और उनके मैनेजिंग पार्टनर आशु गुप्ता और ऊर्जा लेखा परीक्षक अतुल जोशी ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथियों में प्रखर सक्सेना, आशीष लुहारुवाला (अध्यक्ष), सुदीप पांडे (सचिव), इरफान जुबेरी (सचिव), दिनेश भाटी और अंशुल डाड शामिल थे। इन उद्योग विशेषज्ञों और संगठन प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और ऊर्जा दक्षता के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान, सभी उपस्थित व्यक्तियों को स्टार लेबल और इसके मानकों के बारे में जानकारी प्राप्त दी गई। यह लेबलिंग प्रणाली उपभोक्ताओं को उत्पादों की ऊर्जा दक्षता का आकलन करने में मदद करती है, जिससे वे अपनी खपत को कम कर सकते हैं और पर्यावरण की रक्षा में योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश यह था कि उपभोक्ताओं को अपने घरों और कार्यस्थलों में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों पर दिए गए स्टार रेटिंग पर ध्यान देना चाहिए एवं लिये जाने वाले उत्पाद की स्टार रेटिंग की जांच हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उच्च स्टार रेटिंग वाले उत्पादों का चयन करने से न केवल बिजली बिल में कमी आएगी, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद होगा। के इस पहल ने उपभोक्ताओं और उद्योगों दोनों को ऊर्जा दक्षता के महत्व को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया।

मनोकामनेश्वर वीर हनुमान मंदिर में पौषबड़ा

जयपुर। शहर के जौहरी बाजार में ऊंचा कुंआ हल्दियों के रास्ते स्थित मनोकामनेश्वर वीर हनुमान मंदिर में 18 जनवरी को दुग्धाभिषेक एवं पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन किया जायेगा।

पंडित राजकुमार व्यास, बजरंग लाल शर्मा एवं जगदीश गुर्जर ने बताया कि शनिवार को हनुमान महाराज का दुग्धाभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराई जायेगी। साथ ही मंदिर प्रांगण को भव्य रुप से सजाया जायेगा। उन्होंने बताया कि शाम छह बजे आरती के बाद भगवान बजरंग बली को पौषबड़ा प्रसादी का भोग लगाया जायेगा। इसके बाद दोना प्रसादी का वितरण होगा।